

**PAPER-III**  
**WOMEN'S STUDIES**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**D 7 4 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

**WOMEN'S STUDIES**

**महिला अध्ययन**

**PAPER – III**

**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

**SECTION – I**

**खण्ड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

**नोट :** इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on women and social exclusion.

महिलाएँ और सामाजिक वर्जन पर एक निबन्ध लिखिए ।

**OR / अथवा**

“Personal Laws are believed to be unjust to women.” Comment.

“ऐसा माना जाता है कि व्यक्तिगत कानून महिलाओं के प्रति अन्यायपूर्ण होते हैं ।” टिप्पणी कीजिए ।







2. “Neo-liberal model of development has led to increased migration and displacement among women.” Comment.

“विकास के नव-उदारवादी मॉडल ने महिलाओं के वर्धित प्रवसन (या देशान्तरण) और विस्थापन की ओर अग्रसर किया है ।” टिप्पणी कीजिए ।

**OR / अथवा**

Examine the strategies for rural women’s development in India.

भारत में ग्रामीण महिलाओं के विकास हेतु कूटनीतियों की जाँच कीजिए ।









## SECTION – II

### खण्ड – II

**Note :** This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

**नोट :** इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. “Intersectionality is the key to the issues of identity politics.” Comment.  
“अन्तरनुभागीयता (परस्पर विभक्तता), आइडेंटिटी पोलिटिक्स या पहचान राजनीति के मुद्दों के लिये कुंजी है ।” टिप्पणी कीजिए ।
4. Discuss the rationale and uniqueness of feminist research methodology.  
नारीवादी शोध कार्यपद्धति के तर्क आधार और अद्वितीयता की विवेचना कीजिए ।
5. Examine the measures adopted by the Government of India to combat violence against women in India.  
भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का मुकाबला करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा किये गये उपायों की जाँच कीजिए ।

















**SECTION – III**

**खण्ड – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

**नोट :** इस खण्ड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What do you mean by gender mainstreaming ?  
लिंग मुख्य धाराकरण (जेण्डर मेनस्ट्रीमिंग) से आप क्या समझते हैं ?





9. What do you understand by feminisation of labour ?

‘श्रम का स्त्रीकरण’ से आप क्या समझते हैं ?

10. ‘Critical mass of women in decision making bodies is imperative for their effective political participation.’ Comment.

‘निर्णय लेने के निकायों में महिलाओं के महत्वपूर्ण समूह का होना उनकी प्रभावी राजनीतिक सहभागिता के लिये अत्यावश्यक है ।’ टिप्पणी कीजिए ।

11. How does climate change affect women ?  
स्त्रियाँ जलवायु परिवर्तन से किस प्रकार प्रभावित होती हैं ?





13. What are the socio-economic costs of declining sex ratio in India ?  
भारत में गिरते हुए लिंग अनुपात की सामाजिक-आर्थिक लागतें क्या हैं ?

14. Discuss if criminalisation of LGBT people is desirable.  
क्या एल.जी.बी.टी. लोगों का अपराधीकरण वांछित है ? विवेचना कीजिए ।



children, or those of their disabled, ill or ailing family members and friends. Most women do not intentionally neglect such responsibilities and tend to do so only under conditions of extreme poverty, serious illness or other duress. Women, in their roles as dependency workers, will not “strike” (so to speak) on the hope that men might thereby be induced take on labour traditionally assigned to women. Women can and do delegate these responsibilities to family members or friends and to persons they employ, usually other women. Because dependency labour has never occupied a clear place in our economic order and paid labour competes with a vast unpaid workforce, dependency work tends to be poorly paid. Yet even at the depressed wage of paid dependency work, for many, the cost of this labour seems too high, especially as it is expected to be free when performed by female family members. A married woman who is supported by her spouse calculates whether her salary is sufficient to make it worth her while to employ someone else to do the work. The women most able to enter equally into the world of men are those who have been free of dependency responsibilities or who can afford to delegate dependency work to others. Because women cannot coerce the men in their lives into a full and equal sharing of dependency responsibilities, too often they need the exploitative labour of other women to achieve an “equality” measured by the norm of fully functioning white men.

अधिकांश महिलाओं जिनके बच्चे हैं, को अपने जीवन के कुछ वर्षों के लिए पराश्रितता देखभाल (डेपेंडेंसी केयर) की प्राथमिक जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। उनके बच्चों के बड़े होने पर वे इस जिम्मेदारी से मुक्त हो पाती हैं। उस बिन्दु पर, यह स्मरण करना कठिन होता है कि किस सीमा तक पराश्रितों की देखभाल ने उनके जीवन को पराभूत किया है। यह भी सोच पाना शायद कठिन होता है कि जब महिलाओं को अधिक व्यापक विकल्प और वैधानिक स्तर पर अनेकों अवसर उपलब्ध हो जाते हैं और उन्हें सामाजिक मान्यता भी प्राप्त हो जाती है, फिर भी क्यों बहुत सी स्त्रियाँ अपनी देखभालकर्ता की भूमिका को निभाने से इन्कार नहीं करती हैं? अपना पूरा वयस्क जीवन अगाध आश्रित व्यक्ति के साथ व्यतीत करने पर मुझे घनिष्ठ सम्बन्धों, नैतिक दायित्वों और दुविधाओं जो कि आश्रित व्यक्तियों की जिम्मेदारी थोपती हैं, पर विचार करने के लिए बहुतों की तुलना में अधिक वर्ष मिले। और इस अनुभव पर भी मनन करने के लिए मुझे अधिक वर्ष मिले जो कि गाटलिब और उनके साथियों ने मेरे साथ बाँटा और जिसके बारे में उन्होंने इतनी भावुकता से बात की है।

किसी को तो आश्रितों की देखभाल करनी ही चाहिए। यदि पुरुष इस भूमिका को नहीं निभाते हैं, तो स्त्रियाँ इसका त्याग बिल्कुल नहीं करेंगी। स्त्रियों को नारीवादी यह समझा-बुझा सकते हैं कि स्त्रियों की स्वाधीनता एवं समानता की यह माँग है कि वे पूर्ण कार्यशील प्रौढ़ व्यक्तियों के अनप्रदत्त श्रम को अस्वीकार कर दें। स्त्रियाँ शायद ग्रहसंचालन के अपने मानदंडों को कम करने के लिए आश्वस्त हो जाएँ जिससे कि वे अपने साथ रह रहे प्रौढ़ एवं बड़ी उम्र के बच्चों द्वारा शोषण से बच सकें। परन्तु किसी भी नारीवादी आन्दोलन को स्त्रियों को अपने बच्चों, या अपने परिवार के अपंग या बीमार सदस्यों और मित्रों की उपेक्षा करने के लिए उत्साहित नहीं करना चाहिए, नहीं करेगा, नहीं कर सकेगा। अधिकांश स्त्रियाँ जानबूझकर ऐसी जिम्मेदारियों की उपेक्षा नहीं करती हैं। अत्यधिक निर्धनता, गम्भीर बीमारी या अन्य दबाव की स्थिति में ही वे ऐसा करने को प्रवृत्त होती हैं। स्त्रियाँ पराश्रितता कार्यकर्ता की अपनी भूमिका में, इस आशा पर कार्य करना नहीं छोड़ देंगी कि ऐसा करने से जिस श्रम को पारम्परिक रूप से स्त्रियों को सौंपा गया है, उसे पुरुष स्वतः करने के लिए उधत हो जाएँगे। स्त्रियाँ इन जिम्मेदारियों को परिवार के सदस्यों अथवा मित्रों एवं उन लोगों को जिन्हें उन्होंने नौकरी पर रखा है, विशेष रूप से स्त्रियाँ, पर डाल सकती हैं और डालती हैं। क्योंकि पराश्रितता श्रम ने हमारी आर्थिक व्यवस्था में कभी भी स्पष्ट स्थान नहीं बनाया और सवेतन श्रम (पेड लेबर) विशाल अवैतनिक श्रम शक्ति के साथ स्पर्धा करता है। परिणामतः पराश्रितता श्रम के लिए निम्न राशि भुगतान की जाने लगती है। इसके बावजूद, सवेतन पराश्रितता कार्य के लिए इतनी कम मजदूरी मिलने पर भी बहुतों को इस श्रम का पारिश्रमिक बहुत अधिक प्रतीत होता है क्योंकि सामान्यतः यह अपेक्षा की जाती है कि जब यह परिवार की

महिलाओं द्वारा किया जाता है तो इसे निःशुल्क होना चाहिए । वे विवाहित स्त्रियाँ जिन्हें अपने पति से आर्थिक अवलम्ब प्राप्त है, सोच विचार करती हैं कि क्या उनका वेतन इतना है कि वे अपना कार्य करने के लिए किसी अन्य को नौकरी पर रख सकें । पुरुषों की दुनिया में समान रूप से प्रवेश पाने के लिए सर्वाधिक योग्य वे स्त्रियाँ होती हैं जो पराश्रितता जिम्मेदारी से मुक्त होती हैं अथवा वे जो इस कार्य की जिम्मेदारी दूसरों पर डाल सकती हैं । क्योंकि स्त्रियाँ अपने जीवन में, पराश्रितता की जिम्मेदारियों को पुरुषों को समान रूप से या पूरा बाँटने के लिए बाह्य नहीं कर सकती हैं । बहुधा पूर्ण क्रियाशील गोरे पुरुषों के मानदण्ड द्वारा निर्धारित “समानता” को हासिल करने के लिए उन्हें अन्य स्त्रियों के श्रम का शोषण करने की आवश्यकता होती है ।

15. Is caring solely dependent on women ?

क्या देखभाल एकमात्र स्त्रियों पर निर्भर है ?

16. What do feminists suggest as alternatives to care work ?

नारीवादी देखभाल कार्य के लिए क्या विकल्प सुझाते हैं ?



19. How does women's traditional role in caring for dependents continues to be a major obstacle to equality ?

आश्रितों की परिचर्या या देखभाल के सम्बन्ध में स्त्रियों की पारम्परिक भूमिका किस प्रकार उनके लिए समानता प्राप्ति में एक बड़ी रुकावट है ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....